

amaan.cooldude18

कॉमिक्स
विशेषांक

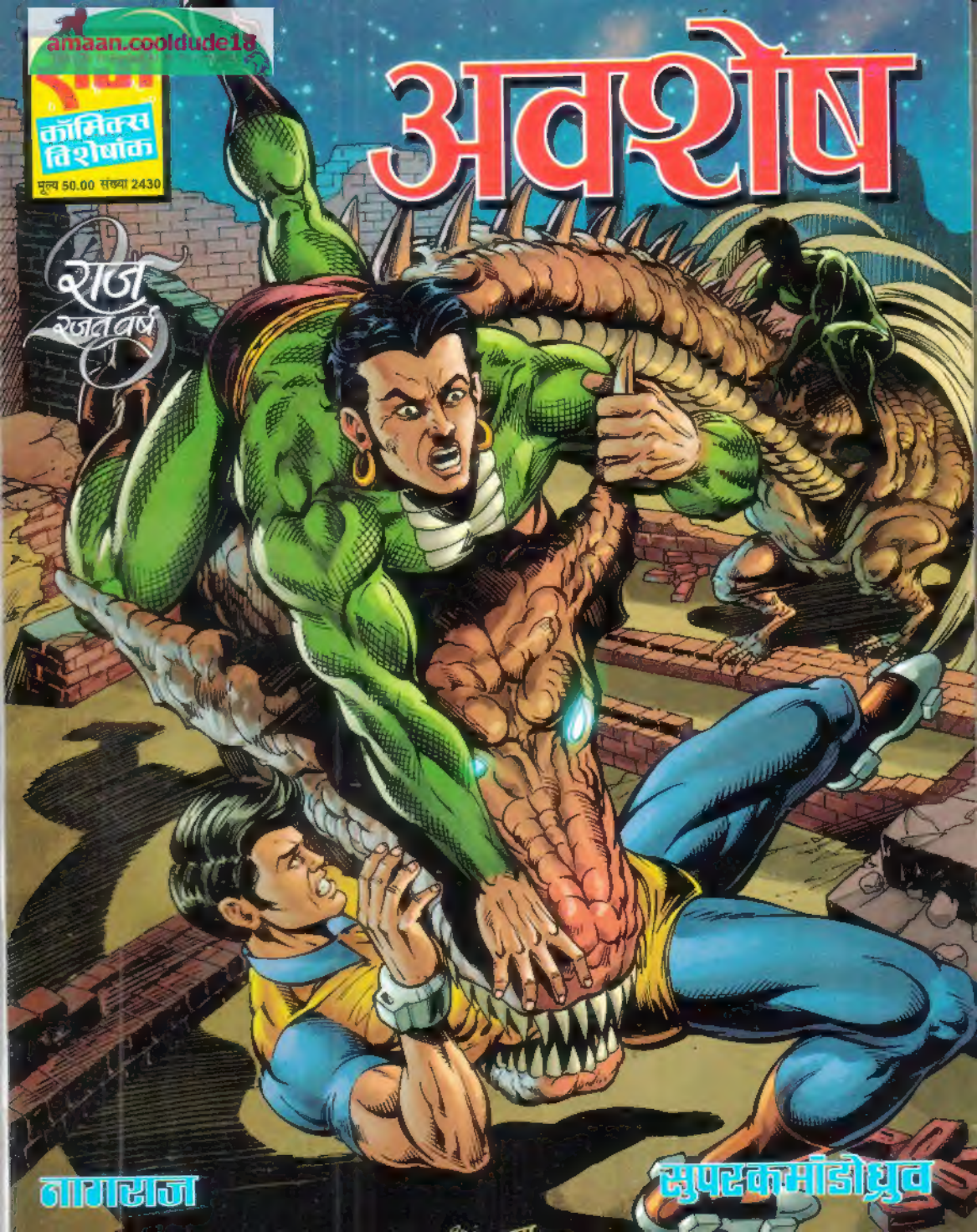
मूल्य 50.00 संख्या 2430

अवशेष

राज
रजतवर्ष

नागराज

सुपरकमंडोघुव





यानी सभ्यता का ज्ञात इतिहास लगभग 11,000 वर्ष पुराना है। उसके पूर्व मानी जाने वाली किवदंतियों या तो पौराणिक हैं और या फिर अंधविश्वास।

हम मानते हैं कि आज का इंसान, विकास के एक सतत क्रम का नवीनतम चरण है।

पर क्या ये सच है?

जवाब है। एण्ड्रयूडा का ये प्राचीन खंडहर!

ये शहर तो प्लानिजिंग में आज पेरिस या मैनहटन को भी हात दे सकता है। सोचकर आश्चर्य होता है कि पहले के इंसान का विमाण श्री इतना उन्नत था।

आश्चर्य तो अभी बाकी है, मैंने इस खंडहर की कार्बन डेटिंग की है। उसके अनुसार ये शहर तब डिजाइन किया गया था जब इंसान आदिमानव था। शूफाओं में रहने वाला। लगभग 20,000 साल पहले।

जब आखिरी हिमयुग लगभग समाप्त हो रहा था। यानी सच में इस नगर की उम्र लगभग बीस हजार साल की है।

असंभव। यानी ये शहर इंसानों ने जहाँ एडियंस ने बनाया है। ये तो रहस्य हो गया।

रहस्य जहाँ ये है उन रहस्यों के...

संजय गुप्ता पेश करते हैं।

राज कॉमिक्स है मेरा जून।

अवशेष

कथा
जॉली सिन्हा
अनुपम सिन्हा

चित्रांकन
अनुपम सिन्हा

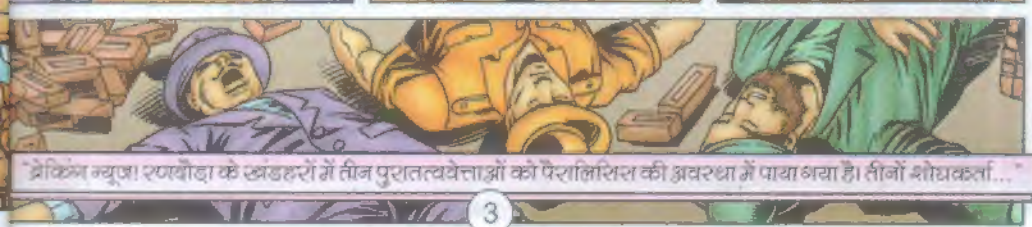
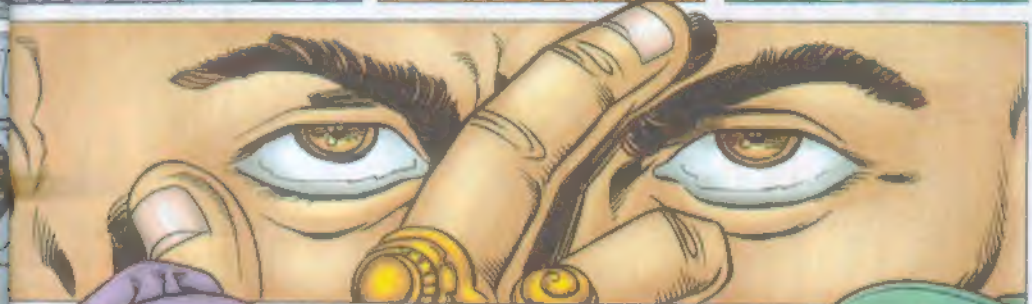
इंकिंग
विनित सिन्हा
सागर थापा

कैलिग्राफी
हरीश शर्मा

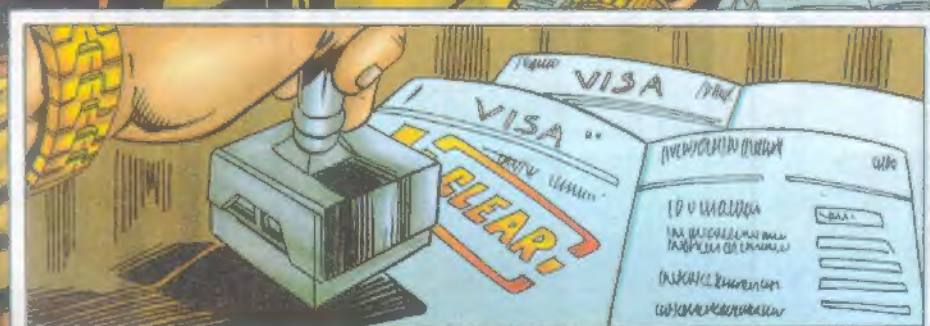
इफैक्ट्स
शादाब,
सुनील बसतुरिया

सम्पादक
मनीष गुप्ता





"ब्रेकिंग न्यूज़! रणबोहा के खडहरों में तीन पुरातत्ववेत्ताओं को पैरालिसिस की अवस्था में पाया गया है। तीनों शोधकर्ता..."











तुम्हारे जैसे
हीरो के पैर छुप
मेरी जूती।



ओ मेरा
सबकी बर्बाद



ओफो इने
तुम्हारे पैर के पास
ही गिराया था।

ताकि मैं
इस बहाने तुमको
प्रणाम कर सकूँ। अरे
नाक ही तो बचानी है।
प्रणाम आईया।

तुने इसे
जामबूझकर
गिराया है। सवा
खुन रह मेरी
नकचड़ी।

उठा ले,
कचुआ। एक शिकका
न खोज पाया।



तू तो लच में कमाव
है। हमारा सामान तक मंगा
कर रहता है।

पर तू सिर
पर हाथ क्यों
बला रही है, बबेल?
आई के पैर छुप
है क्या?

दुहा
पर तू
यहां खड़ा
है बेटा तो प्लेन
क्यों उड़ा
रहा है?

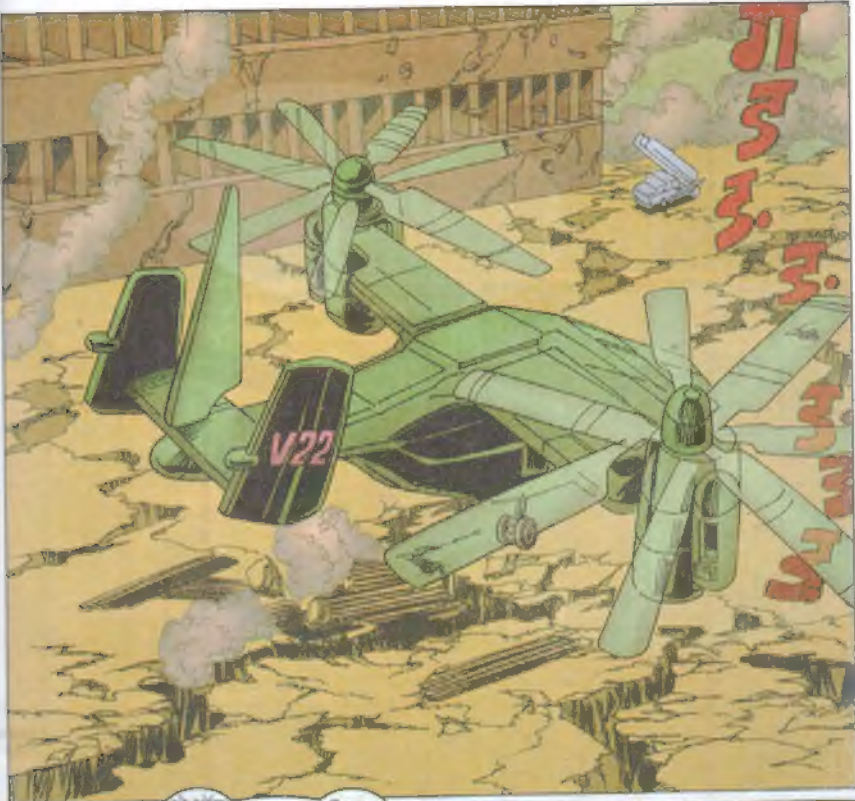
अंटी
प्राइवेट, मस्सी!
ये प्लेन अपने आप
चलता है। सिर्फ
उड़ाने...



"ओर उतारने के समय इसको अलसी पावरबट की जरूरत पड़ती है।"

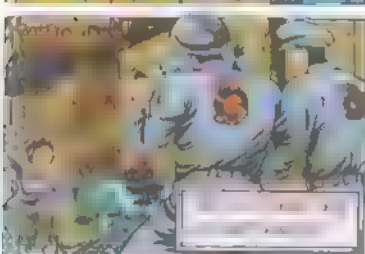
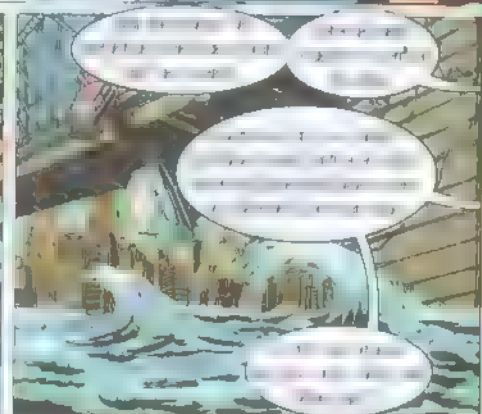
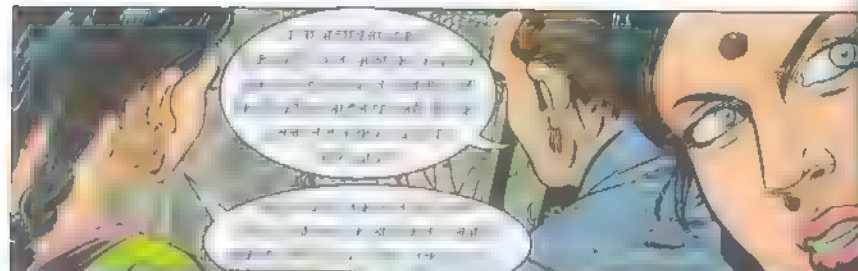
परीक्षण डाटेड।
प्राइवेट फ्लाइट 7707A। आप
लेड कर सकते हैं।

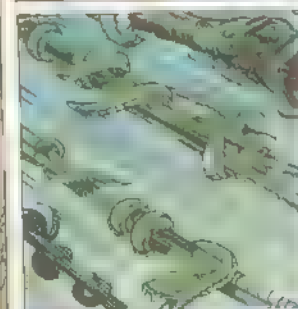




ओर वह भी लीक!









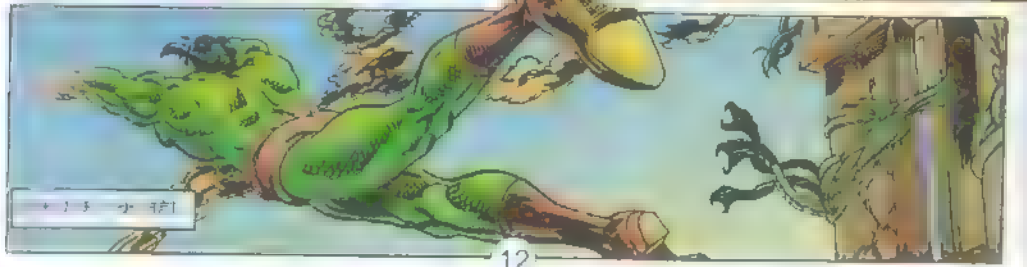
क्या मरती, आप मर
नहीं जाते। मैं कहूँ, हाँ ना।
क्या मरती, आप मर

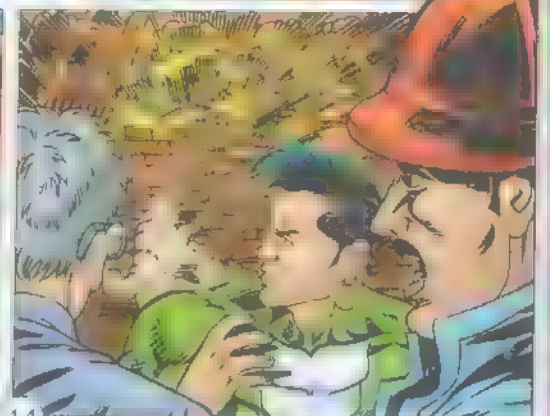
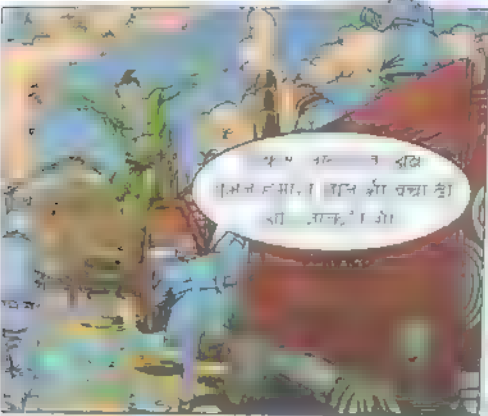
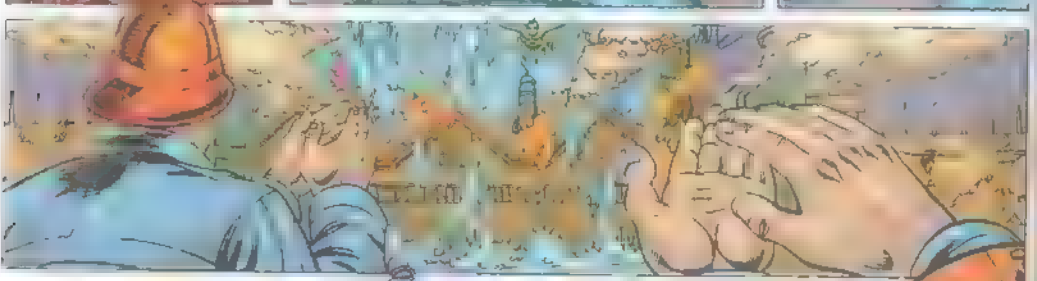
मैं मरूँ, हाँ ना।
मैं मरूँ, हाँ ना।
मैं मरूँ, हाँ ना।

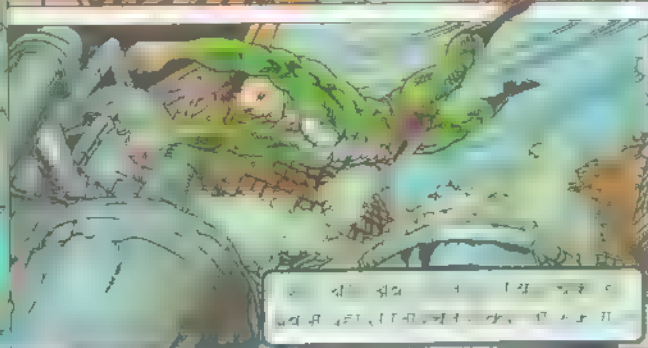
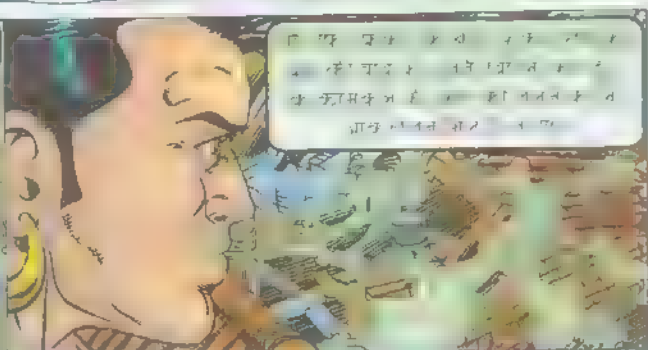
आप मरती, आप मर
मैं मरूँ, हाँ ना।
मैं मरूँ, हाँ ना।

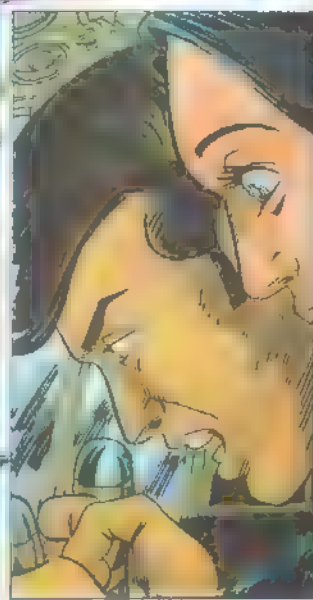
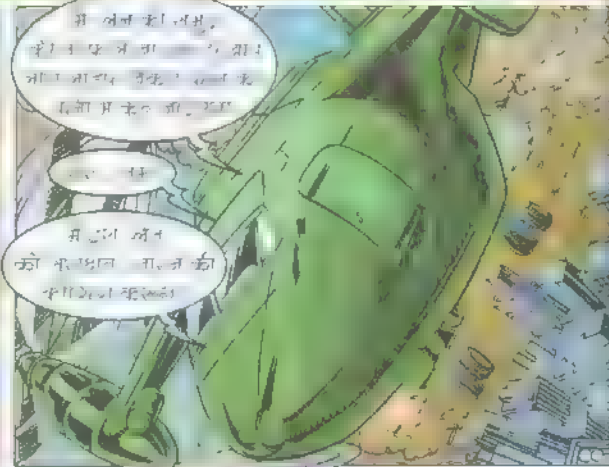
आप मरती, आप मर
मैं मरूँ, हाँ ना।
मैं मरूँ, हाँ ना।

आप मरती, आप मर
मैं मरूँ, हाँ ना।
मैं मरूँ, हाँ ना।



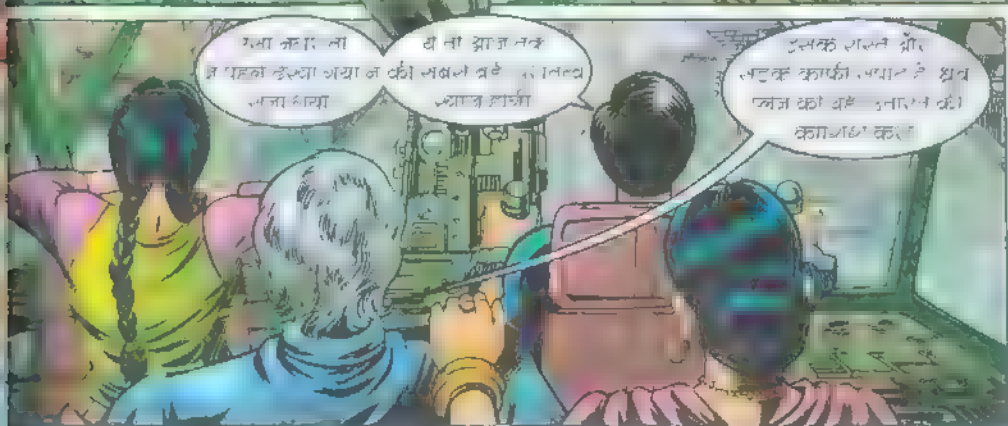








ये गाड़ी
एक बड़ा बक्का
हो गई



यह गाड़ी तो
एक बड़ा बक्का
हो गई

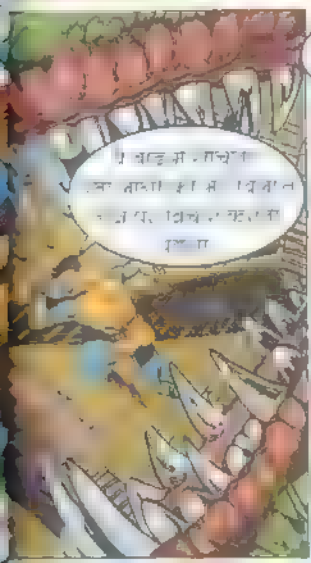
ये तो गाड़ी के
एक बड़ा बक्का
हो गई

इसके अंदर तो
एक बड़ा बक्का
हो गई



इस ना मैं इन का थ
का के, आर का मुका ह
म मी के का व पाचीन पागी
का के पाचीन का के का
म मी के का के का

कमी ब्रिजान
का व पागी के
का का का का
का व पागी



इ ब्रिजान का का
का का का का का का का
का का का का का का का

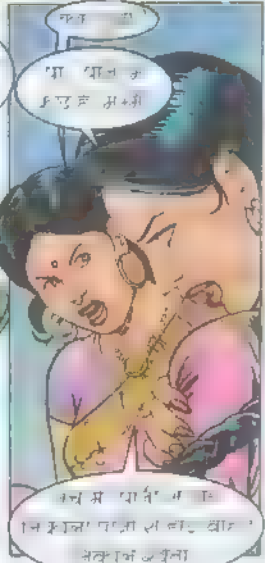


व पनका
का का का का
का का का का

म का का
का का का

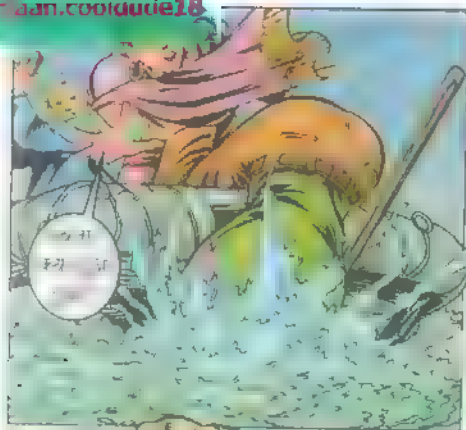
म का का का का का
का का का का का का का
का का का का का का का

का का
का का का का का
का का का



का का
का का का
का का का का

का का का का का
का का का का का का का
का का का का का



आओ
इस
...



आओ
इस
...

महाबाहू
...



श्वेता!



...

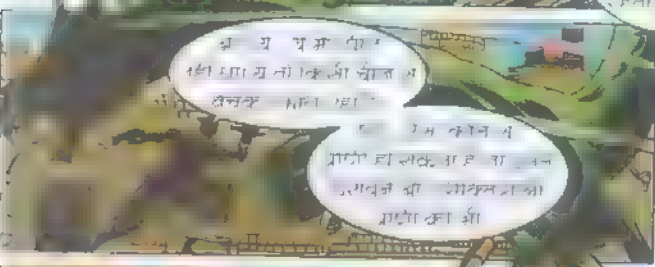
...

...

...

...

...



...

...



...



...



...

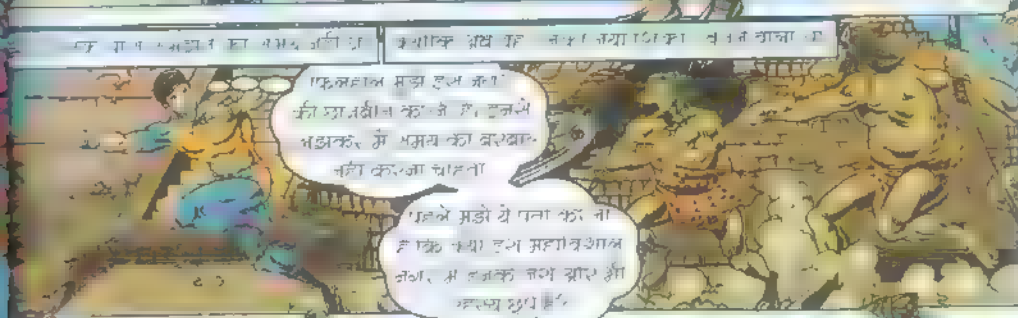


मनुष्य के
बच्चे को

क्या पता है

यह तो मानव है। न तो
मनुष्य ही प्रजाति कहानी है, तब
तब मानव बंदन जहाँ बालक
मनुष्य ही विकसित
होगा

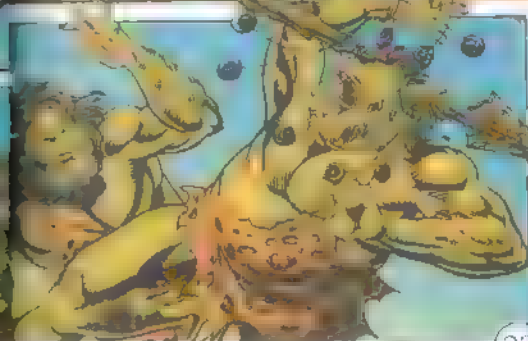
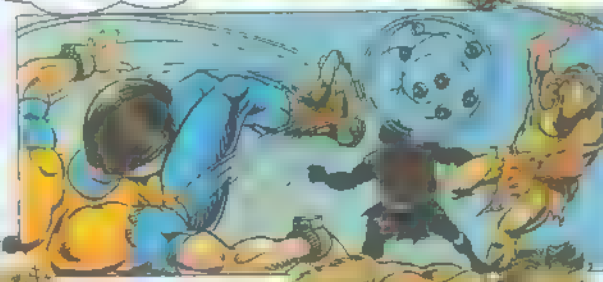
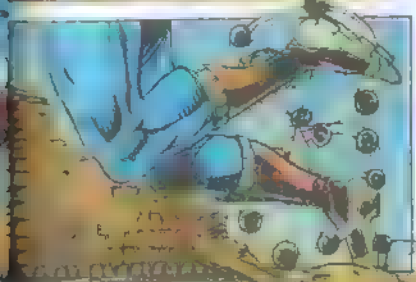
मनुष्य जन्म लेता है



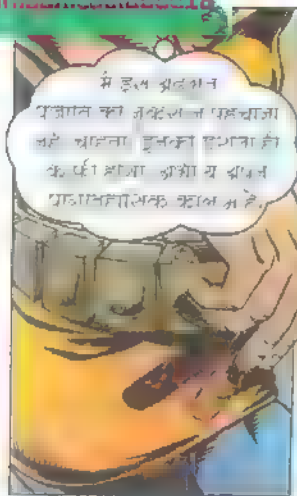
मनुष्य जन्म लेता है मनुष्य ही है क्योंकि प्रकृति ने मनुष्य को बनाया है। मनुष्य ही है

प्रकृति ने मनुष्य ही बनाया
ही प्रजाति कहानी है, तब
तब मानव बंदन जहाँ बालक
मनुष्य ही विकसित
होगा

प्रकृति ने मनुष्य ही बनाया
ही प्रजाति कहानी है, तब
तब मानव बंदन जहाँ बालक
मनुष्य ही विकसित
होगा



मनुष्य ही है
मनुष्य ही है
मनुष्य ही है
मनुष्य ही है
मनुष्य ही है



मेरे हृदय में
पूजा का एक लाल फूल
है। यह फूल
हमारे जीवन का
सबसे सुंदर फूल है।



हमारे जीवन में
हमारे जीवन में
हमारे जीवन में

हमारे जीवन में
हमारे जीवन में
हमारे जीवन में



हमारे जीवन में
हमारे जीवन में
हमारे जीवन में



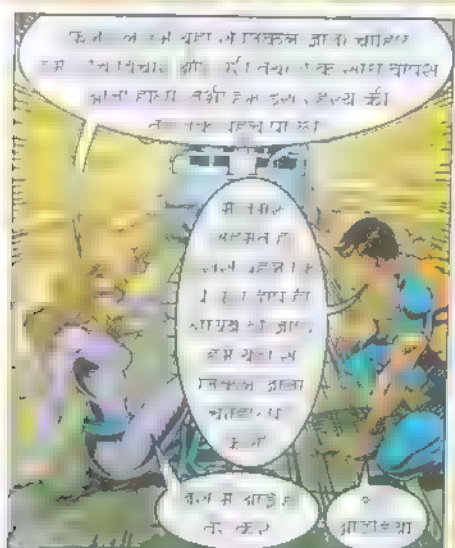
हमारे जीवन में
हमारे जीवन में
हमारे जीवन में

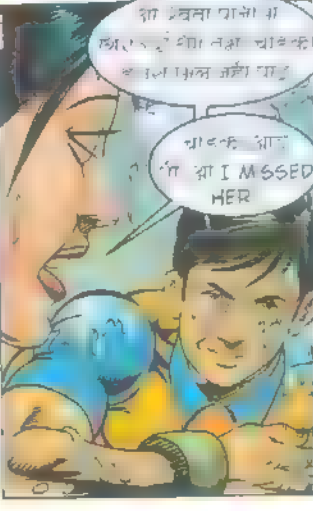
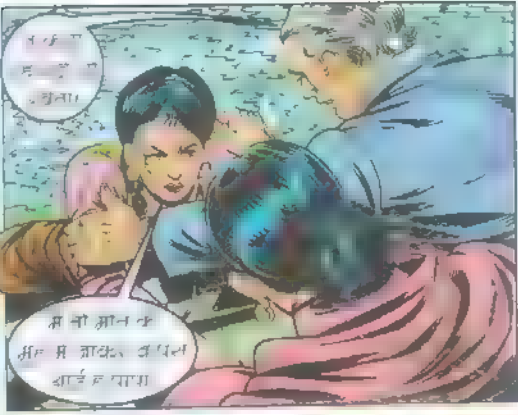
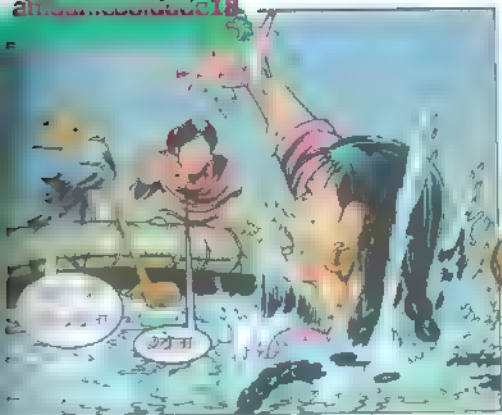


हमारे जीवन में



हमारे जीवन में





की पीड़ा का ज्ञान इस प्रकार का
है। भाषा का "चालाक" भाषा
ज्ञान प्रमाण के माध्यम से ही
प्राप्त होता है। इस प्रकार की भाषा
ज्ञान के माध्यम से ही भाषा
भाषा का ज्ञान प्राप्त होता है।
इस प्रकार ही भाषा

इसके वात्राज स्यात्तान्
 तान् अकप को वरदान
 मान, क्योंकि इसके
 कारण समुद्र के अंदर छुपा एक
 राजा प्राचीन नगर बाहर आ
 गया है जो एक राज्य जितने
 बड़ा था मर चुका है

[illegible]

१ न ग्राह्या म मा ।
२ ग्राह्या म मा ।
३ ग्राह्या म मा ।

$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

जब पर क्या विचार

1. कक्षा में नाच-मो
 सों, जो भी प्रभावशाली
 नाच के वा - हो कहे
 कहो ज लक्ष्मी वा ब्रह्म
 नारायण कह लक्ष्मी
 के दो गंधर्व चीन के

अज्ञान है कि उसकी
जिम्मेदार प्रकृति नहीं

1. The first part of the text discusses the importance of maintaining accurate records of all transactions, including sales, purchases, and expenses. It emphasizes that proper record-keeping is essential for determining the correct amount of tax liability.

क्री कितनी कोशिशे की।

[illegible]



हमारे सैनिकों को
समर्थन देना, मैं
इसलिए कहता हूँ
कि हमें समर्थन देना
है।

हमारे सैनिकों को
समर्थन देना, मैं
इसलिए कहता हूँ
कि हमें समर्थन देना
है।

हमारे सैनिकों को
समर्थन देना, मैं
इसलिए कहता हूँ
कि हमें समर्थन देना
है।



हमारे सैनिकों को
समर्थन देना, मैं
इसलिए कहता हूँ
कि हमें समर्थन देना
है।



हमारे सैनिकों को
समर्थन देना, मैं
इसलिए कहता हूँ
कि हमें समर्थन देना
है।



हमारे सैनिकों को
समर्थन देना, मैं
इसलिए कहता हूँ
कि हमें समर्थन देना
है।



हमारे सैनिकों को
समर्थन देना, मैं
इसलिए कहता हूँ
कि हमें समर्थन देना
है।

हमारे सैनिकों को
समर्थन देना, मैं
इसलिए कहता हूँ
कि हमें समर्थन देना
है।



आप भी जानते हैं मैं नहीं
कई प्रश्नों का ज्ञानवाह

किरदार जोड़कर
आप मंच पर आपके
सबके आगे

यस?

जो मिलते, आप
को बताने आगे बढ़ाते
की दुनिया में विचारधारा, ज्ञान से
जैसे लगे हैं, हमने लगे हैं। कि
सबके आगे बढ़ने का साथ
है और आपके साथ
मैं भी जहाँ रहूँगा

जहाँ मैं

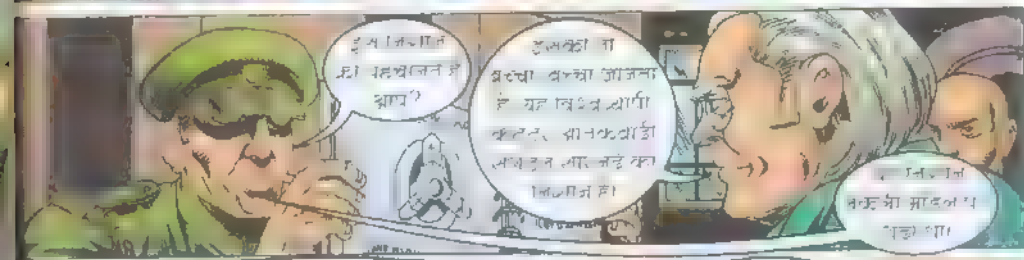
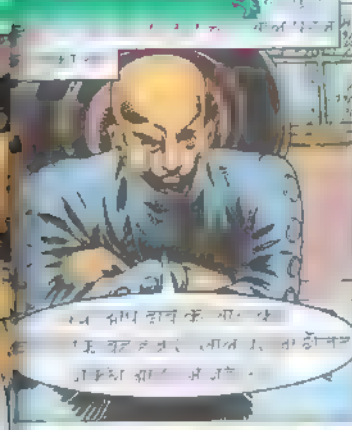
आप कहते हैं, हम
हम आपका एक कोशिश
देना चाहते हैं। सचमुच, यह नहीं
है। पर इस प्रश्नानुसार,
क्या हम तो आपसे लगे
हैं।

जहाँ मैं आप
सबके साथ मैं कुछ शक्यता
भी सच नहीं है।

यह आपके साथ
है। हमारे साथ सबके
साथ हमारे साथ है। सब
मुझसे नहीं। हमारे
आपकी जगह की
जगह है।

आप भी तो
चाहते हैं। हमारे
साथ हमारे

इसकी शक्ति
की शक्ति का हम काम
में लगे हैं। आपकी
संरक्षण करना हमारा
सौभाग्य होगा





क्या ख्याल है
बोलीक 'मिल डालो' ये शहर
वाकई जगहों का जाल है एक दिन
शहर में खलनाहू हो गई है?

मछा वा ये कहेंगे
अभी तो जाल है जाल में फंसा
हो लगे हैं दोस्त कुछ पाजो
म मछा हो

मोरी लाला के अजला
यह शहर हम जगहों का
हो आशंक प मछा है

श्री, यहा पर मछा
मिल डालो कहने का कोई उद्देश्य
जहाँ है यहा पर हमारे अजला काई
पान वात है ही नहीं

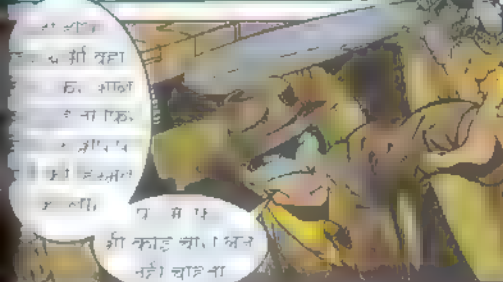
यहा मिल डालो मछा
यहा पर कोई आशंक नहीं
आशंक ना है यह कहो
यहा नको आशंक है



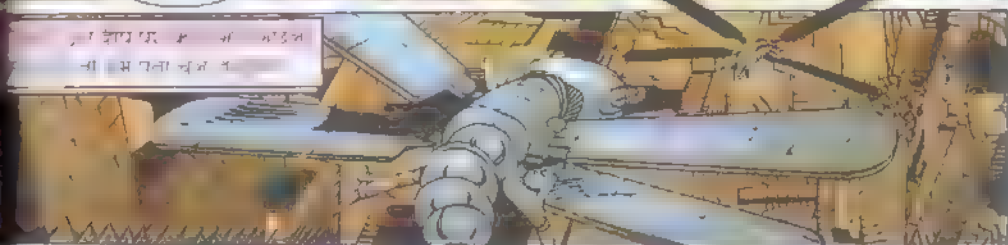
आफ ही यापन हो
रहते हैं या नहीं
होना चाहिए था
यह बात ही नहीं है
मैं नहीं जानता



आफ ही यापन हो
रहते हैं या नहीं
होना चाहिए था
यह बात ही नहीं है
मैं नहीं जानता



आफ ही यापन हो
रहते हैं या नहीं
होना चाहिए था
यह बात ही नहीं है
मैं नहीं जानता

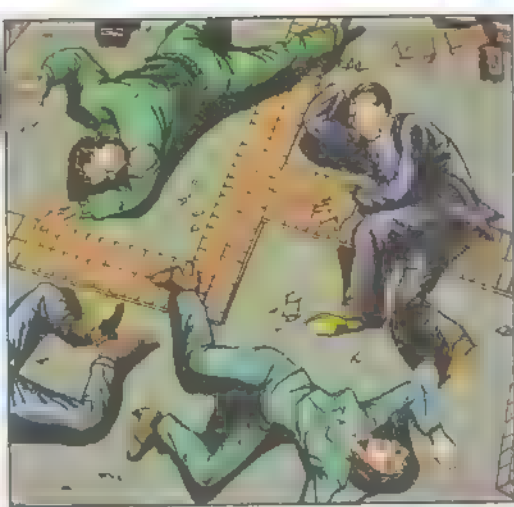


आफ ही यापन हो
रहते हैं या नहीं
होना चाहिए था
यह बात ही नहीं है
मैं नहीं जानता



आफ ही यापन हो
रहते हैं या नहीं
होना चाहिए था
यह बात ही नहीं है
मैं नहीं जानता







और वह
यह कि ये मान्य
नहीं हैं।

अच्छा हुआ कि मैंने
सही समय पर कवच फुटबैट
कर दिया ये हमको नहीं
बैरव सकते। वगैरे।

अब फटाफट
अपना काम करो और
यहां से निकल लो।



यहां पर कुछ है
मुझे मिलने वाली तरफें और
भी ज्यादा शांतिशाली
हो गई हैं।

वह शस्त्र ये भुल
गया कि वे तो इन
सर्पों की नजरो से
ओझल हो सकते थे।



श्रीकिन जमीन ओझल
नहीं हो सकती थी।



चिन्ता
की बात नहीं है।
ये हमें न तो देख
सकते हैं। और ना ही
महसूस कर
सकते हैं।

और हम भी इनको
छू नहीं सकते। ये ठीक उसी जगह
पर खड़ा है। जहां पर हमको काम करना
है। अगर काम पूरा करना है तो हमें
सामने आना ही होगा।

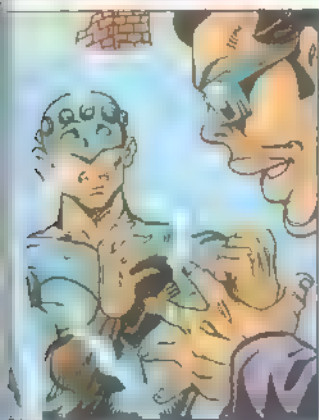


यहां पर
कुछ है।



कोई दिक्कत
तो नहीं होगी न

कोई नहीं। यंत्र तुम
रखो। मैं इनको सभाल लूँ
और अगर मार न पाया तो
दूर ले जाऊँगा।





हो क्या
क्या हमने हलक
ना

वेर हलक इमरता में
हो जाने वाले इमरत के लकड़वा
को लोके का पत्र



हो नम्र बाबा बा में नम्र के
हो नम्र हो नम्र के नम्र, नम्र लकड़वा है
नम्र के नम्र के नम्र के नम्र

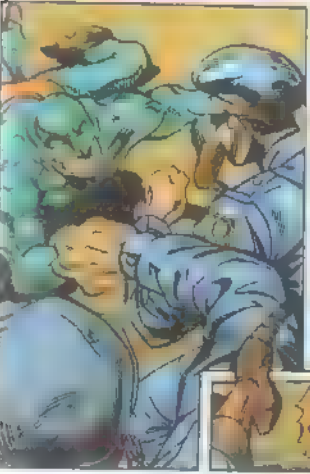
हो नम्र
नम्र के नम्र



हो नम्र के
हो नम्र के नम्र
हो नम्र के नम्र



हो नम्र के
हो नम्र के नम्र
हो नम्र के नम्र

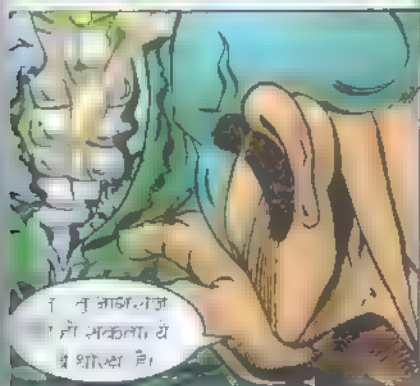
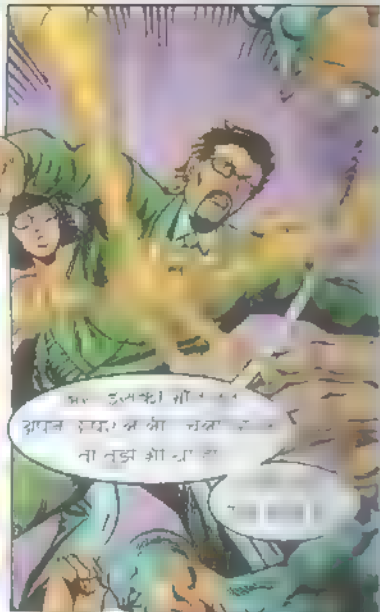
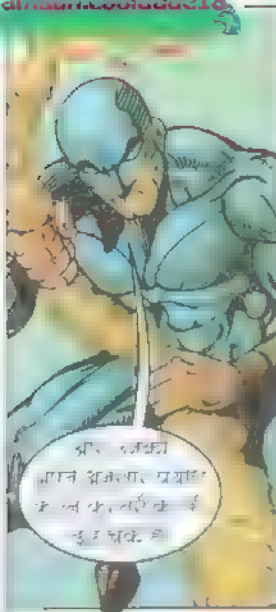


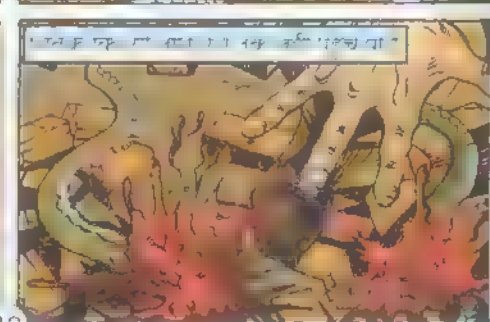
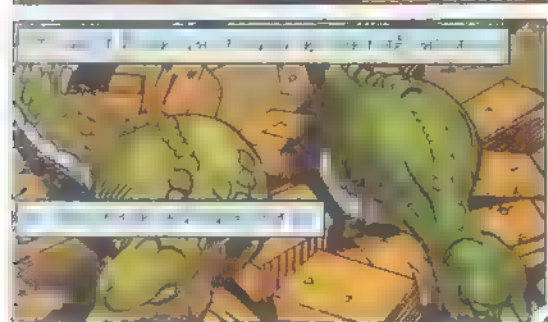
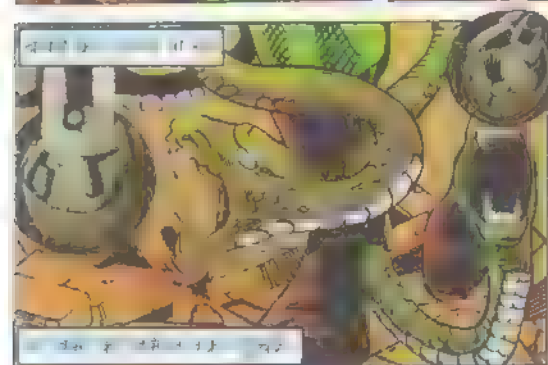
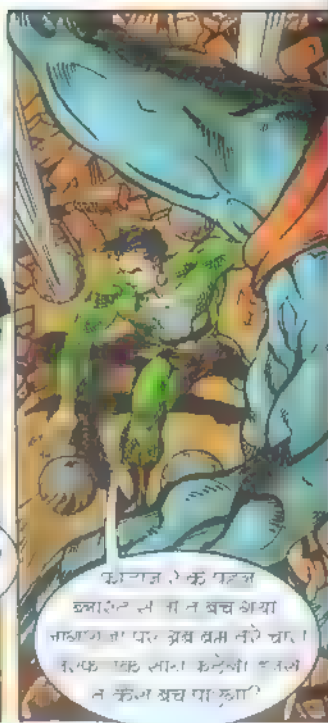
हो नम्र के
हो नम्र के नम्र
हो नम्र के नम्र



हो नम्र के
हो नम्र के नम्र
हो नम्र के नम्र

हो नम्र के
हो नम्र के नम्र
हो नम्र के नम्र







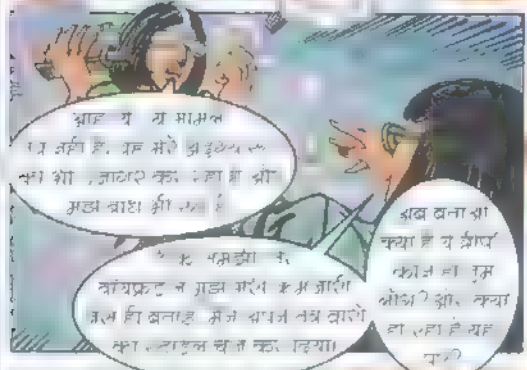
लो बाबी तुम मेरी मदद करन पार शयान बनाने के बजाय इसके जैसे औरों को बुद्धने मे बनाओ मुझे शक है कि ये शकला नहीं आया है।

कहीं ऐसा तो नहीं के हम इससे बचने का सा-कादें और अपना काम करके निकल जाय

मुझे भी कुछ पता है वो कुछ बातें हैं जो मैं नहीं जानता था

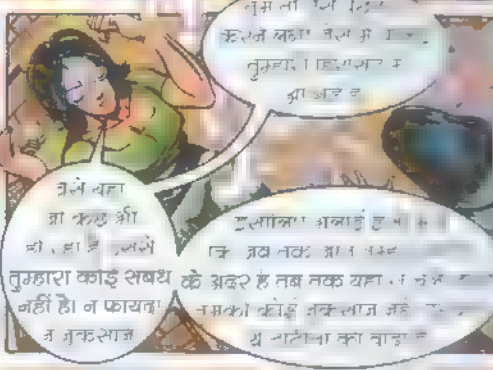


अब की पाए है ही यहाँ पर इसकी शिकार हो गई



आज ये य सामल पर नहीं है, यह मेरे अइयल का भी शो, जालार का भी शो मछली बाइ ही नहीं है

अब बनना था क्या है ये और कौन ना तुम लोका और क्या हो रहा है यह पता



तुम ना ये पता करके बहा नम मे ही तुमको बिलगार म आकर है

तुमने बहा रा कुछ भी हो, हा है, लोने तुमहारा कोई सबथ नहीं है। न फायदा न मुकलाज

इलाका भला है ही मे कि अब तक जान पड़े तुमको कोई मुकलाज नहीं है य नाचना का बाइ है



लोका काफ़ी चपटा नाम है, चला हम चले जाओ पर नमो, इन हाफ्ट नमो नमो

लोका मेरे नाम अपना इन के लि करके ही नहीं है

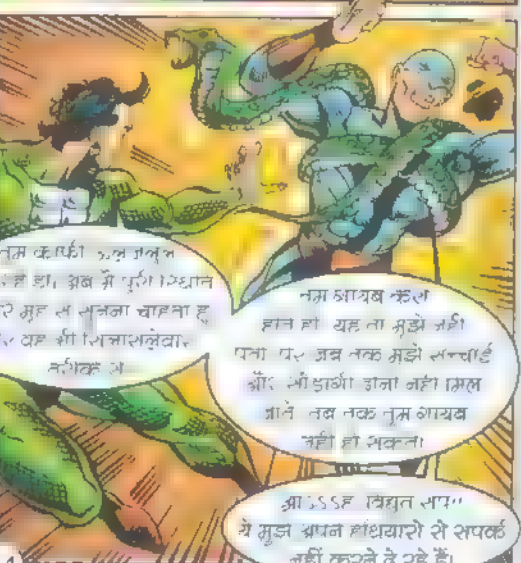
ह ना ये प्रजाया आ पुरजा नमो नमो

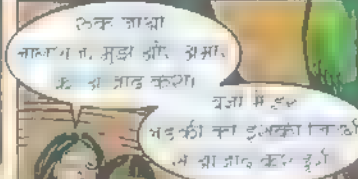
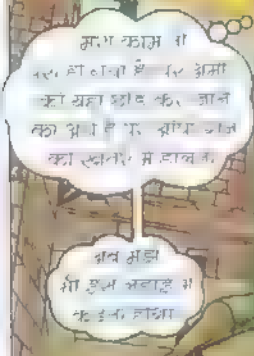
ये दो हम शान्त से बायल चले जाओ ये लोका का बाइ है

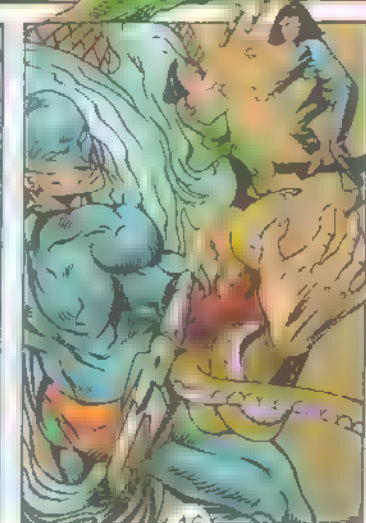


अब हम इनका नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो नमो

और इस वकत मे पास तुमको देने के लिए इसके एक ही चीज है









कमाल है। मेरा ना मेन फकीरा
बोले बरखा है। शांतिन की भाषा
कहने तक भी शूर का, लिये



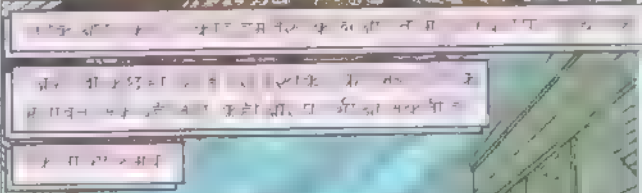
मेरी माँ का नाम
दीपिका था। मैं माँ
कहती थी। मैं माँ का नाम
दीपिका था। मैं माँ का नाम
दीपिका था। मैं माँ का नाम



मुझे बताया है यही कीप को
खाने तक आपका कहना था
यही इसकी लक्ष्य का पुराना
नमस्ते कहना था

2+ के बच्चे की
हजारों अक्षरों की शीप के
बाप बाप पर इसी शीप के
नमस्ते, धन्य

मैं बचने
बाप के लिए, लड़ने
मरने के लिए



असल में नहीं था। मैं
मुझे बताया है यही कीप को
खाने तक आपका कहना था
यही इसकी लक्ष्य का पुराना

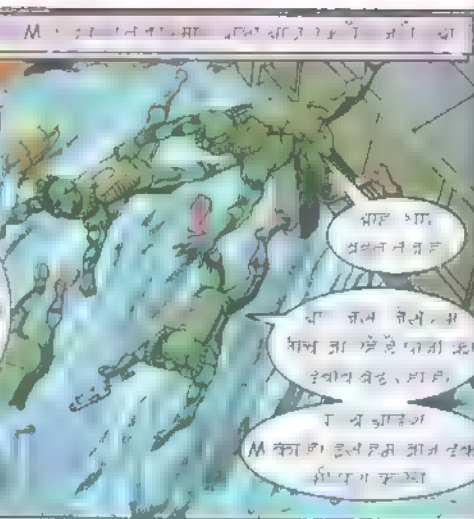
मैं माँ का नाम
दीपिका था। मैं माँ का नाम
दीपिका था। मैं माँ का नाम
दीपिका था। मैं माँ का नाम

श्री/ इसका नाम
काम इसकी लक्ष्य का पुराना
नमस्ते कहना था



अब हमारा नाम
हमारा एक ही नाम है
काम पूरा है। हमने
काम का विचार किया
हमारे पदच नही पाया

हो, अरे,
हमारे शीलान नाम
नाम हमका ही है
मज्जा M की मज्जा है
हमारे मज्जा है
M के नाम ही
मज्जा है



महाराज
प्रधान मंत्री

हो नाम है
महाराज है
महाराज है
महाराज है

महाराज
M का ही नाम है
महाराज है



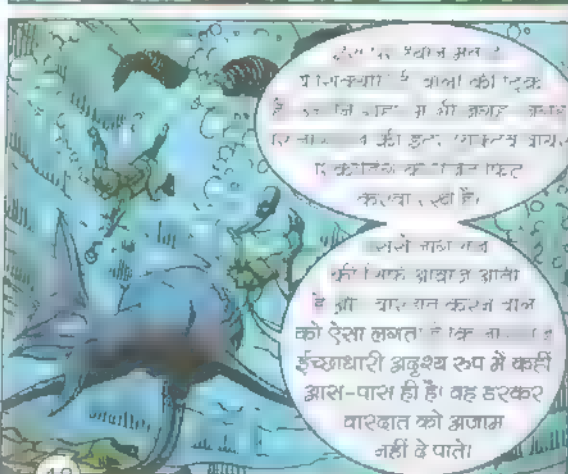
हमारे नाम है
हमारे नाम है
हमारे नाम है

हमारे नाम है
हमारे नाम है
हमारे नाम है

हमारे नाम है
हमारे नाम है
हमारे नाम है



हमारे नाम है
हमारे नाम है

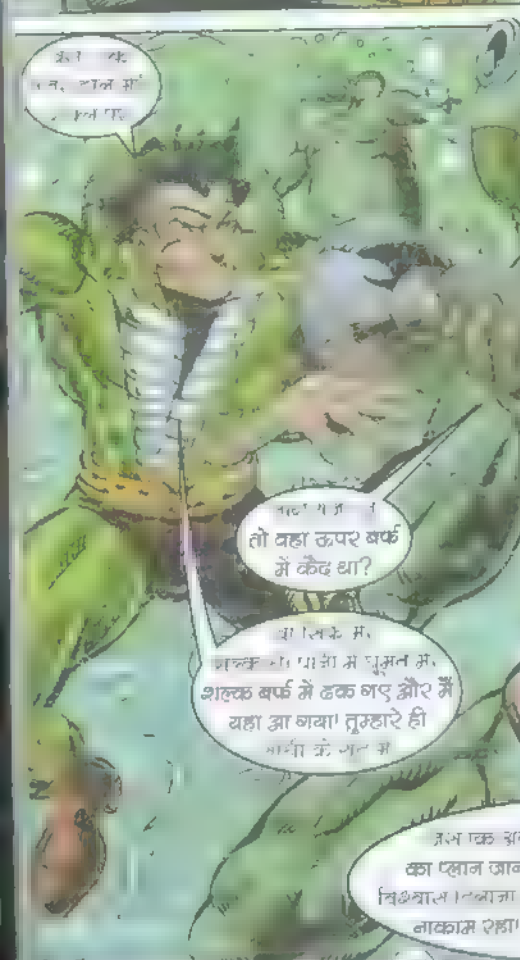


हमारे नाम है
हमारे नाम है
हमारे नाम है

हमारे नाम है
हमारे नाम है
हमारे नाम है

हमारे नाम है
हमारे नाम है
हमारे नाम है





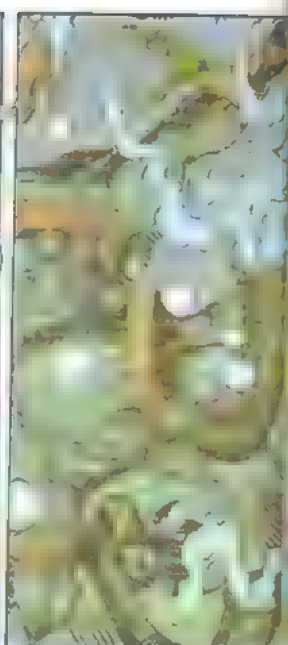


आइए

जो पृथ्वी की धारा में
की और प्रकाश की।



यहाँ बस लेनाकर न
हैम को लड़ाना और महानगर
में प्रलय का ना चाहता था न वे
सभी की फट सकता है



कमाल है न सभी
वक्त प्रकाश है, मैंने तो सोचा
था कि सब तक न दूर से
मर गया होगा।
चल प्रच्छा ही है
क्योंकि नेरे लिए मैंने वह
मोन सोच रखी है



जो मैंने उस में
महानगर वालों के
निकट सारी थी।
यानी जल
समाप्ति

हम हँवा में
रहे या पानी में फँक
नहीं पड़ना।

प्रसर्प माया तो तुम भी
जा मिले हो मैग्नम से। और
तुम्हारे यहाँ पर होने का अर्थ यह
है कि मैग्नम को मेरे आने
का अरोसा था।

मे उसी के साथ हूँ
जो मेरे अनुकूल माहौल
बनाया। ईच्छाधार रूप तो
सिर्फ सौ वर्षों में मिल जाना
है नागराज और सहस्रवर्षी
रूप हजार वर्षों में। पर प्रसर्प
रूप दो हजार वर्षों में
मिलता है।

मैंने मानवों की प्रगति
के कारण कई प्रजातियों
को मरते देखा है। और मैग्नम
इस प्रगति का रुख वापस
मोड़ना चाहता है। इसीलिए
मैं उसके साथ हूँ।

एक शनकी स्त्रुन के
प्यासे हत्यारे के साथ। होश
में आओ, प्रसर्प प्रगति की या
विनाश की धारा हम न
चलाते हैं न मोड़ते हैं।

कई मानव स्त्रुन भी
अन्य प्रजातियों पर किए जा
रहे अत्याचार के खिलाफ हैं।
पर उनको रोकने का तरीका
उनकी सामूहिक हत्या नहीं हो
सकता। मैग्नम को मैं ऐसा
नहीं करने दूँगा।

और मैं
तुमको उसे रोकने
नहीं दूँगा।



जमल बस मुझी की आश
मनामन है इस दुम का नाउत
के भाव आशा ही बहुत है.



इस दुम
में पहले



मे तुझ
नाउत हुआ

तुम्हारे नाउत सीटी न
की जवाब मजबूत है जवा यत्र
पर प्रसप का चट्टानी शरीर
जवाब कलौर है.



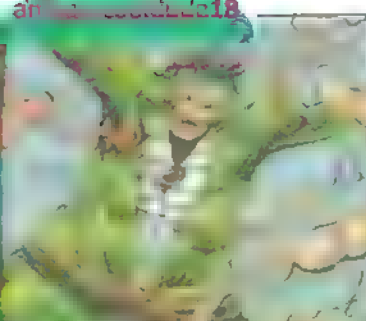
तुम्हारा शरीर
प्रसप के कटोर शरीर को
सबने गोदय नहीं है.

और ये शस्त्र मेरे कप
में बज रहा है. ये मेरे शरीर
के ललाय त्र का जवाब जवा
मे कालकर नर शरीर को
पता कर इसे



और मेरा
समस्या कप मेरे
दिमाग को

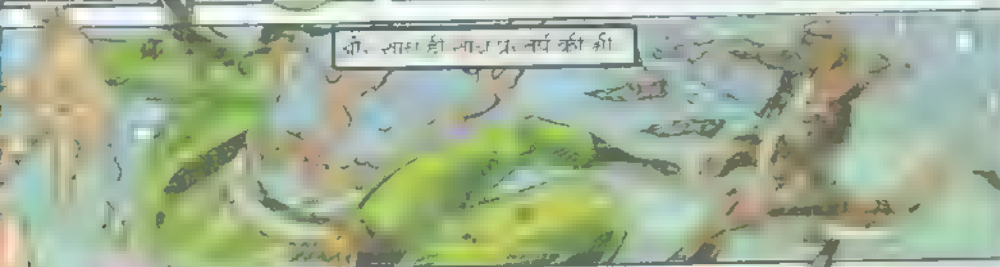
उसके बाद मे तुझ
बहुत धीरे धीरे मास्को
ही नडपा कर जवाब
में नडपा हू.



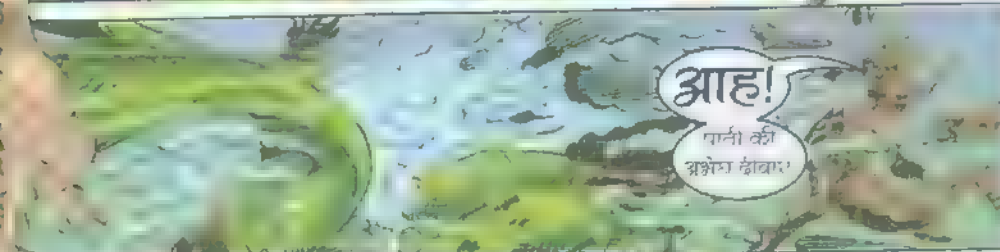
मैंने बात गलत तरीके से समझ ली थी
वक्त कम है और हमें वक्त की जरूरत
है वजह बताएं इसके लिए मुझे थोड़ा
वक्त चाहिए और वक्त कम है



मुझे अपने अंश का फैलाव देना पड़ेगा
क्योंकि मैं फैलने की जगह को भी बना सकता हूँ



और साथ ही साथ प्रत्यक्ष भी



आह!

पानी की
अभाव है



जहाँ तक मैं जान रहा हूँ
आज तक मैंने यह सब नहीं बताया था
यह मुझे अक्षय नहीं देगा



मैं पाछा नहीं जाना चाहता
खड़ी की गई पानी की देवार का काम
कर उस तक पहुँच जाऊँगा

तु होली नागराज के अंत की।"

"ये जग की मेरी तरह जीवन प्राणा को शिका से बने है।"

जो जीवन से बहुत तेजी से ब्रि गित होने

और देखत ही देखते नागराज का कैलाहा शरीर

इनकी कंद में होना। जोर की तरह की
पादों के बीच में पिसने के लिए नेयारा।"

अब बस धर्मन
बस को सीक्रेट कांड
से एक्टीवेट करना है। वे
दो मिनट बाद फटेगा और
इसकी लेजर रेज डैम की
दीवारों को नागराज की
तरह काट डालेगा।

देखता जा, नागराज।
अब इस डैम का और तेरा अंत
एक साथ ही होगा। तल में छेड़
तो मैंने कर दिया है।

कुछ देर
ही मान तेरा
होगा।

और तेरी मौत की
खबर से पहले महानगर
वालों तक खुद मौत
पहुंच जाएगी।

तुम उसे झगल नहीं
भकते, प्रस्तर्प या तो तुम मुझ
कोड बताओगे ताकि मैं धर्मन
यम का बद कर सकूँ।

या फिर तुम
मेरे साथ

सही पर
मरोगे

कमान की शक्ति है
तुमसे, नागरात्रा शारीरक
और और मानसक भी। पर य
शक्तिया अब तेरे काम
नहीं आएगी।

क्योंकि पाषाण
सर्प तुझे पीस कर तेरा
कचमर बना देगे

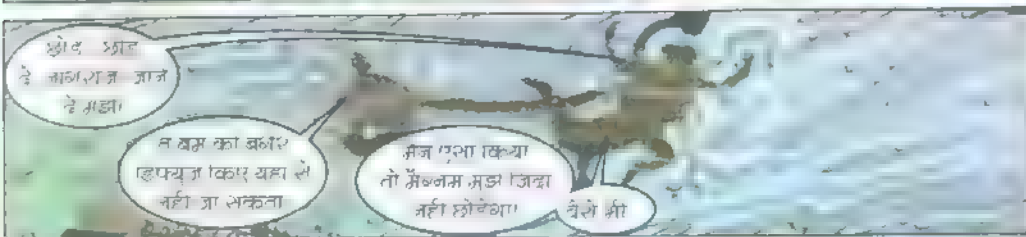
आह!

पानी के झीलण दबाव को तो नागराज
अब तक किसी तरह सह रहा था-

पर पाषाण सर्पों का दबाव उसकी
सहज शक्ति को भी तोड़ रहा था।



एक ही प्रजाति
है। मैं नहीं बचा
महानगर नहीं बचा
तो मैं ही नहीं
बचा।
कल
मैं को



छोड़ दो
दे सोचो राज
दे भला।
मैं बस का बस
हियर कि यहाँ से
नहीं जा सकता
मैं पूना किया
तो मैं बस भूत जिन्दा
नहीं होवेगा।
वैले श्री



यस का बस
एक बार पकड़ो दे हा जान के बाद
अ मैं नहीं किया जा सकता
अस तो य
कट कर ही
होवा



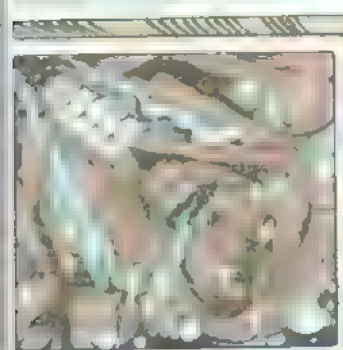
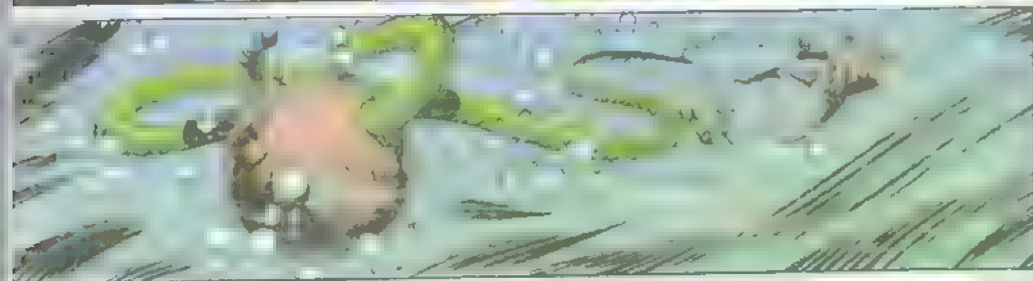
वैले श्री
महानगर जानों की चिन्ता
कर। मझे तो यह धर्म
चाह में मर
आम श्री आदो नुकसान
या। ज
नहीं पहुँचा पाऊंगा।



अस फरे या न
फरे जानों की यह
मैं नहीं है



मैं नहीं यह है कि
बाधा को दूर न कर
बचाया जाय।



बिजो, मुझा ब्रह्मा या कि प्रस्तप का मजबूत शरीर बम के ध्वस्तन के प्रभाव को ज्यादा दूर तक फैलने से रोक लेगा।

मेरे शरीर पर छिपटी
जहरीली कोशिकाएँ श्री
इस के मातृत्व में मुझी
हुई थी दुःसाक्षी : इसके
जट घोंघ के साथ-साथ
मेरे शरीर पर छिपटी इनके
पाषाण नर्गों की कोशिकाएँ
श्री नष्ट हो रही हैं।

पर प्रस्तप सिर्फ नष्ट हुआ है। मरा नहीं है। इनकी
कोशिकाओं को फिर से जुड़ने में चाहे समय लगे पर
। जहरीली जहरील प्रस्तप वापस आएगा।

। ब्रह्मा या मुझा इसका ध्वस्तन के कत्तना चाहिए ;
। कि पशु ने वह बाध रखा के कारण बच पाया है।



आबाश, नागराज



अगर तुम प्रसन्न
के हाथों मारे जाते तो मुझे
बहुत अफसोस होता।



सच फुल्लो तो मेरा
जिंदगी जीने का मजा ही
स्वप्न हो जाता
और फिर धरती
वालों तक मेरा सदेश
कौन पहचानता।

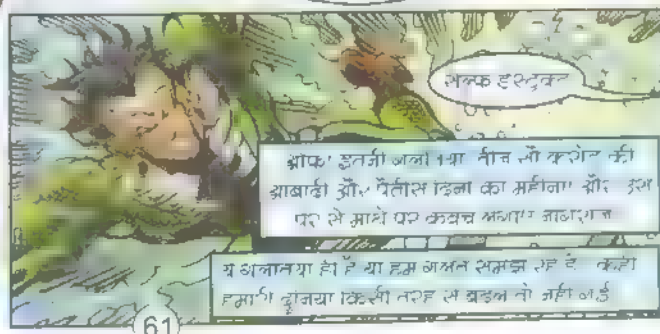
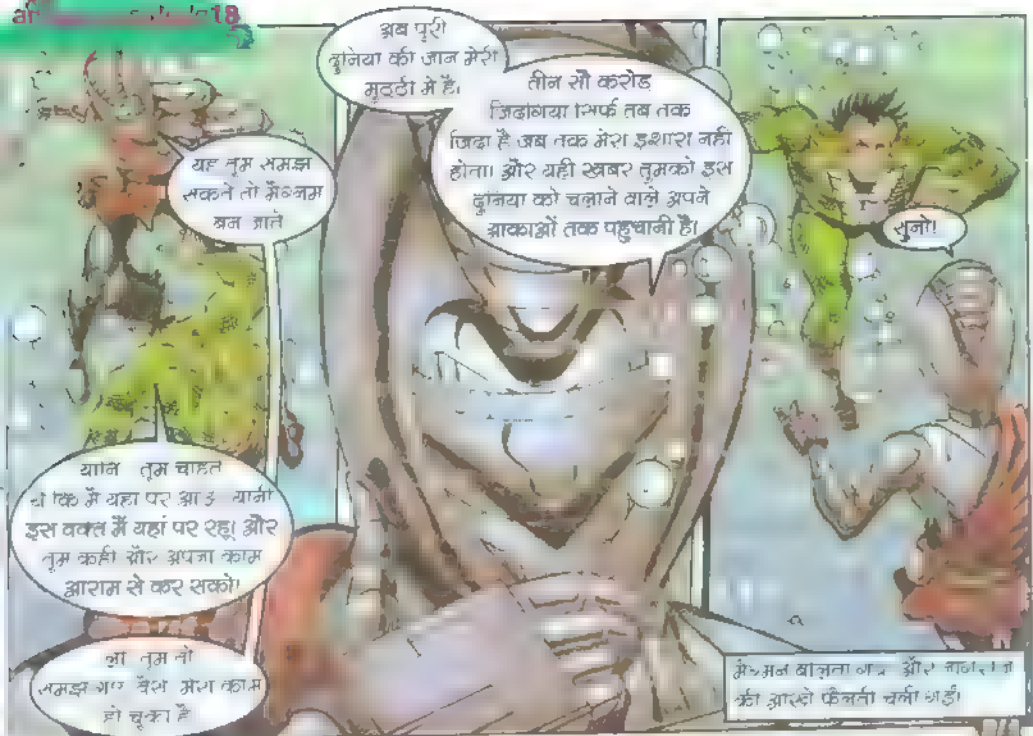


मेहनत।

पहले मुझे
थेक्यु बोझो

दरअसल जित्त मुश्किल
ने तुमको डैम उड़ाने की योजना
की खबर दी थी, उसको खबर
हमने सुन ही दी थी।

यानी तुम चाहते थे
कि मैं यहाँ पर आऊ और
इनको डैम उड़ाने से
रोकूँ? पर क्यों?





‘मैं तुम्हारे चोरी
कर रहा हूँ।’

‘मैं नहीं या भोलन
को प्रेम करने या
भी नहीं।’

‘मैं भी तुम्हारे हर ठिकाने को नष्ट
कर रहा हूँ।’

‘मैं तुम्हारे चोरी
कर रहा हूँ।’

‘मैं तुम्हारे चोरी
कर रहा हूँ।’

‘मैं भी तुम्हारे
सभी ठिकाने पर रहे
कर रहा हूँ।’

‘मैं तुम्हारे चोरी
कर रहा हूँ।’

‘मैं तुम्हारे
सभी ठिकाने पर रहे
कर रहा हूँ।’

‘मैं तुम्हारे
सभी ठिकाने पर रहे
कर रहा हूँ।’

‘मैं तुम्हारे चोरी
कर रहा हूँ।’

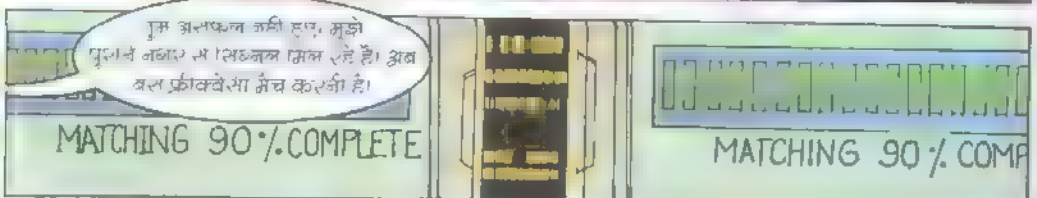


सुद मैलम

हमने पूरी काशिश की मैलम पर पता नहीं हम अपने प्रयास में पूरी तरह से सफल हो पाए या नहीं।

हम नागराज का सामना करना पड़ा।

हमारी दृष्टि तो इससे बड़ने लग गई थी पर आपके आदेश के अनुसार हम अपने आग का बलिदान करके आपका सूचना देने के लिए वापस आए।



जुम असफल नहीं हुए, मुझे पुराने नगर में सचनन मिल रहे हैं। अब बस फ्रीक्वेन्सी मैच करनी है।

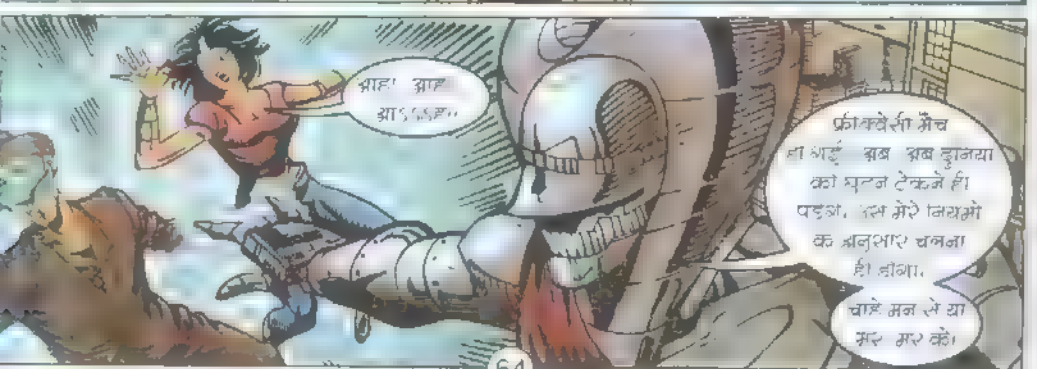
MATCHING 90%. COMPLETE

MATCHING 90%. COMP



MATCHING 100%. DONE

MATCHING 100%

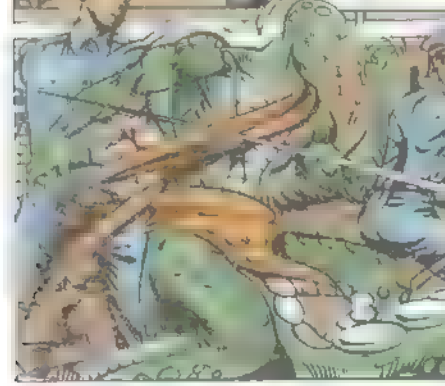


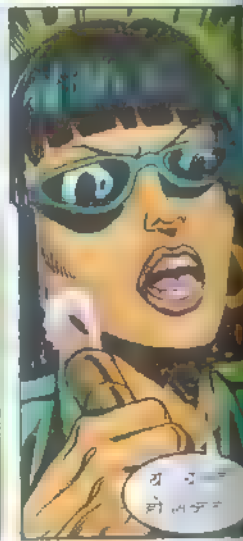
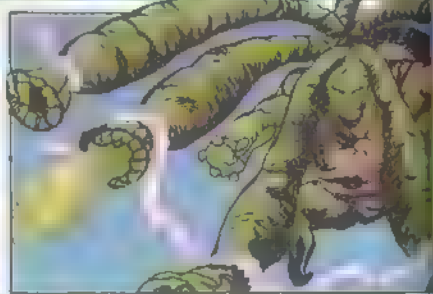
भाई! आह आसुस...

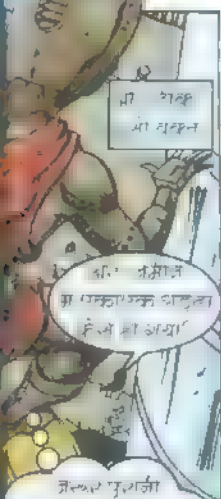
फ्रीक्वेन्सी मैच हो गई सब अब दुनिया को घुटन टेकने ही पड़ा, इस मेरे नियमों के अनुसार चलना ही होगा, चाहे मन से या मर मर के।

मैं तो इनका साथ दे



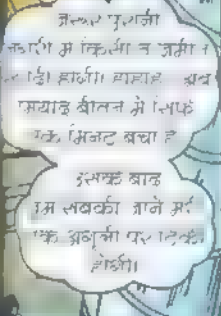




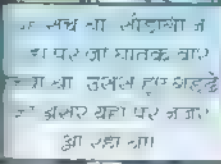


मा शक्ति
मा शक्ति

मा शक्ति
मा शक्ति



शक्ति शक्ति
शक्ति शक्ति



शक्ति शक्ति
शक्ति शक्ति



शक्ति शक्ति
शक्ति शक्ति

शक्ति शक्ति
शक्ति शक्ति

शक्ति शक्ति
शक्ति शक्ति

शक्ति शक्ति
शक्ति शक्ति

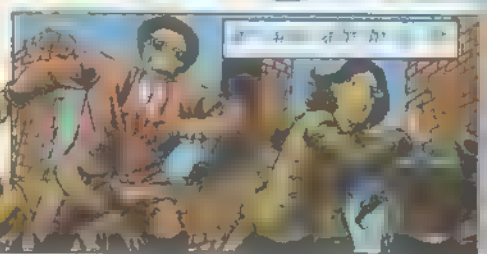
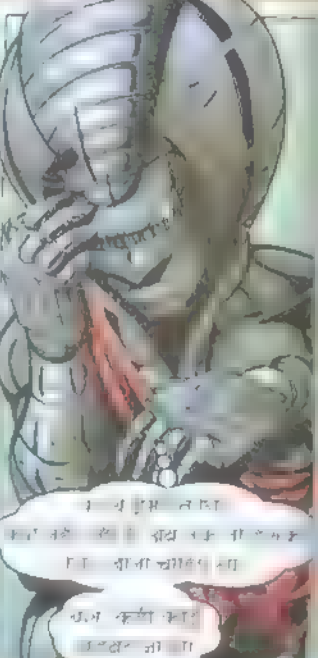
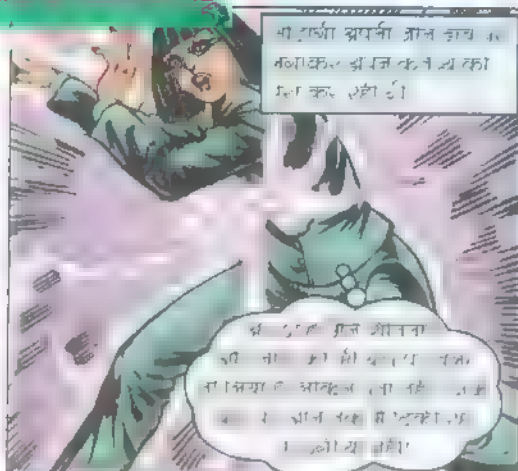
शक्ति शक्ति
शक्ति शक्ति



शक्ति शक्ति
शक्ति शक्ति



शक्ति शक्ति
शक्ति शक्ति





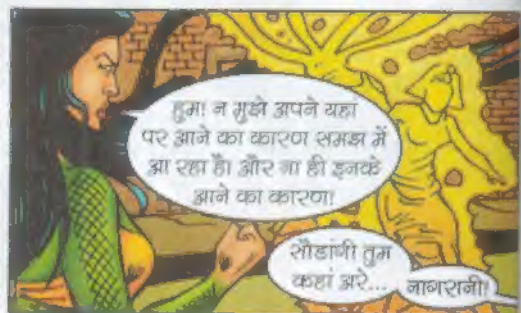


अपना काम जल्दी पूरा करो। इस ढांचे को गिरा दो। पूरी ताकत लगाओ।

उममफ! नहीं कर सकता। वालों ने पूरे ढांचे को घेर लिया है।



तो अब हम यहाँ पर नहीं रुकेंगे। मुझे तो यहाँ पर खतरा महसूस हो रहा है... वापस चलो।



तुम! न मुझे अपने यहाँ पर आने का कारण समझ में आ रहा है। और ना ही इनके आने का कारण।

सौडाणी तुम कहाँ अरे... जागरानी!



तुम यहाँ पर कैसे? और सौडाणी को क्या हुआ?

ये आपकी जान की परवाह न करते हुए इस खंडहर को बचा रही थी।

अगर मैं यकत पर न आती तो न तो खंडहर बचता और ना ही सौडाणी।

पर इस पर हमला करने वाले थे कौन?

सौडाणी!

सौडाणी?

मतलब! दूसरी सौडाणी!!



दूसरी सौडाणी!

कुछ समझ में नहीं आ रहा है। तुम बताओ कि ये सब क्या है। इन खंडहरों में ऐसे कौन से हीरे-जवाहरात जड़े हैं जिनको बचाने के लिए तुम लोग मरने को भी तैयार हो।



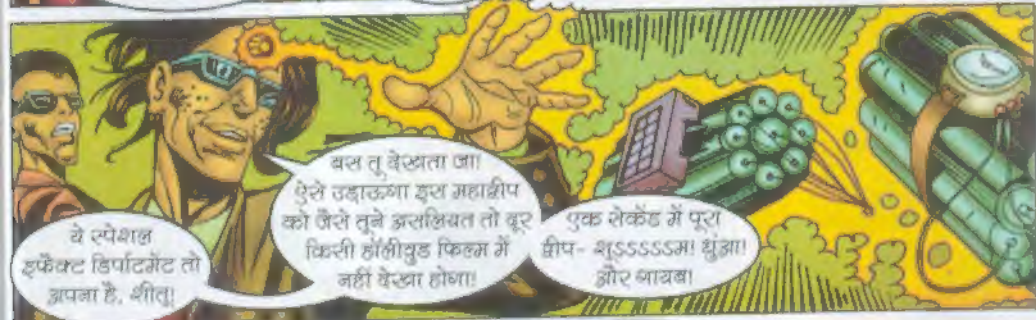
शीतनाल पुरानी नगरी के उभरने और यहाँ पर विचित्र घटनाओं के घटने की वास्तव सुनाता चला गया।

मैं कुछ-कुछ समझ रही हूँ। ये जरूर किसी दूसरे डायमेशन का चक्कर है। ऐसे ही किसी दूसरे डायमेशन का जहाँ से मैं आई हूँ।

और ये पुरानी नगरी उस आयाम से इस आयाम में आने का द्वार है। खुला रास्ता।

उस आयाम से इधर आने वालों के ईरादे क्या हैं। यह मैं नहीं जानता और न ही जानना चाहता हूँ।

और तुम्हारा आना इस बात का सबूत है कि ये खंडहर एक आयाम द्वार है।



उसे मैं किसी भी कीमत पर गिरने नहीं दूँगा।

मैं खुद जाऊँगा उस प्राचीन नगरी की रक्षा करने के लिए। अब जो वहाँ से एक ईंट भी हिलाऊँगा वह मौत से साक्षात्कार करेगा।



एक तरफ प्राचीन नगरी को बेस्तानाबू करने का कदम हलका और दूसरी तरफ ये महाशक्तिशाली नालराज की शपथ।

क्या? पूर्व से पूर्व टकराऊँगा और आसमान छू जाएगा छात्र?

जारी रहेगी ये चुनौति